S–2061

Total Page No. : 3] [Roll No. .....

M.A. II Semester Examination, 2023–24

संस्कृत

Paper : IV

(काव्यशास्त्र)

Time : 2 : 30 Hours] [**Max. Marks :** 80

नोट : इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं। खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' प्रत्येक से किन्हीं **चार-चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर दी गयी उत्तर-पुस्तिका में ही दीजिए। अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी।

खण्ड-'अ'

(लघु उत्तरीय प्रश्न) **4×5=20**

1. ''तात्पर्यार्थाऽपि केषुचित्'' कारिका को समझाइए।
2. काव्य प्रकाश कार के अनुसार ''हेतुर्न तु हेतव'' वाक्य को समझाइए।
3. ''इदमुत्तममतिशयिनि व्यङ्ग्ये वाच्याद् ध्वनिर्बुधैः कथितः'' कारिका पर प्रकाश डालिए।
4. काव्यशास्त्र के इतिहास में आचार्य मम्मट के योगदान पर प्रकाश डालिए।

5. ''संकेतितश्चतुर्भेदो जात्यादिर्जातिरेव वा'' कारिका की व्याख्या कीजिए।
6. शब्द परम्परावादी एवं शब्दार्थ परम्परा वादी आचार्यों के मत में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
7. काव्य प्रकाशकार द्वारा प्रतिपादित काव्य भेदों को लक्षण सहित निरुपित कीजिए।
8. काव्य प्रकाश में वर्णित व्यञ्जना शब्द शक्ति के स्वरूप में सभेद स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-'ब'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) **4×15=60**

9. निम्नलिखित कारिका की व्याख्या कीजिए–

''शक्तिर्निपुणता लोकशास्त्र काव्याद्यवेक्षणात्।

काव्यज्ञशिक्षयाभ्यास इति हेतुस्तदुद्भवे''॥

10. ''लक्षणा तेन षड्विधा'' को विस्तार से सोदाहरण समझाइए।
11. काव्यप्रकाश में वर्णित रस प्रसंग में आचार्य अभिनवगुप्त के ''अभिव्यक्तिवाद'' पर प्रकाश डालिए।
12. निम्नलिखित कारिका को विस्तार से समझाइए–

''शृङ्गारहास्य करुण रौद्रवीर भयानकाः।

वीभत्साद्भुतसंज्ञौ चेत्यवटो नाट्ये रसाः स्मृताः॥

13. काव्य प्रकाशकार के अनुसार रसानुमिति प्रसङ्ग भट्ट शङ्कुक के सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।

14. काव्य प्रकाश में वर्णित ''रसाभासभावाभास'' को सोदाहरण निरुपित कीजिए।

15. काव्य प्रकाशकार आचार्य मम्मट के रसस्वरूप को विस्तार से प्रतिपादित कीजिए।

16. ''तददोषो शब्दार्थो सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि''

काव्य लक्षण को विस्तार से सोदाहरण समझाइए।

****